BOARD ZONE

RBSE

CHAPTERWISE PYQ

हिन्दी

2013 - 2026

Class 10

हिंदी

1. अपठित बोध (क) अपठित गद्यांश 2
2. अपठित काव्यांश 9
3. निबन्ध लेखन 20
4. पत्र लेखन 31
5. संक्षिप्तीकरण एवं पल्लवन 34
6. व्यावहारिक व्याकरण 35
7. क्षितिज : पठित गद्यांश 40
8. क्षितिज : पठित पद्यांश 42
9. क्षितिज : पाठ्य पुस्तक प्रश्न (काव्य खंड) 44
10. क्षितिज : पाठ्य पुस्तक प्रश्न (गद्य खंड) 48
11. कृतिका : पाठ्य पुस्तक प्रश्न 53

अपठित गद्यांश

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [8M]

भारतवर्ष पर प्रकृति की विशेष कृपा रही है । यहाँ सभी ऋतुएँ अपने समय पर आती हैं और पर्याप्त काल तक ठहरती हैं । ऋतुएँ अपने अनुकूल फल-फूलों का सृजन करती हैं । धूप और वर्षा के समान अधिकार के कारण यह भूमि शस्यश्यामला हो जाती है । यहाँ का नगाधिराज हिमालय कवियों को सदा से प्रेरणा देता आ रहा है और यहाँ की नदियाँ मोक्षदायिनी समझी जाती रही हैं । यहाँ कृत्रिम धूप और रोशनी की आवश्यकता नहीं पड़ती । भारतीय मनीषी जंगल में रहना पसन्द करते थे । प्रकृति-प्रेम के ही कारण यहाँ के लोग पत्तों में खाना पसन्द करते हैं । वृक्षों में पानी देना एक धार्मिक कार्य समझते हैं । सूर्य और चन्द्र दर्शन नित्य और नैमित्तिक कार्यों में शुभ माना जाता है । पारिवारिकता पर हमारी संस्कृति में विशेष बल दिया गया है । भारतीय संस्कृति में शोक की अपेक्षा आनन्द को अधिक महत्व दिया गया है । इसलिए हमारे यहाँ शोकान्त नाटकों का निषेध है । अतिथि को भी देवता माना गया है - 'अतिथि देवो भवः' ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।
(ख) भारतवर्ष की भूमि शस्यश्यामला कैसे है ?
(ग) भारतीय प्रकृति-प्रेम किस प्रकार प्रकट करते हैं ?
(घ) भारत में आतिथ्य एवं अतिथि का क्या स्थान है ?

(RBSE 2013)

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [8M]

जीना भी एक कला है । लेकिन कला ही नहीं, तपस्या है । जियो तो प्राण ढाल दो जिंदगी में, ढाल दो जीवन-रस के उपकरणों में । ठीक है ! लेकिन क्यों ? क्या जीने के लिए जीना ही बड़ी बात है ? सारा संसार अपने मतलब के लिए ही तो जी रहा है । याज्ञवल्क्य बहुत बड़े ब्रह्मवादी ऋषि थे । उन्होंने अपनी पत्नी को विचित्र भाव से समझाने की कोशिश की कि सब कुछ स्वार्थ के लिए है । पुत्र के लिए पुत्र प्रिय नहीं होता, पत्नी के लिए पत्नी प्रिया नहीं होती - सब अपने मतलब के लिए प्रिय होते हैं — आत्मनस्तु कामाय सर्वप्रिय भवति । विचित्र नहीं है यह तर्क ? संसार में जहाँ कहीं प्रेम है सब मतलब के लिए । सुना है, पश्चिम के हॉब्स और हेल्वेशियस जैसे विचारकों ने भी ऐसी ही बात कही है । सुन के हैरानी होती है । दुनिया में त्याग नहीं है, प्रेम नहीं है, परार्थ नहीं है, परमार्थ नहीं है — केवल प्रचण्ड स्वार्थ । भीतर की जिजीविषा - जीते रहने की प्रचण्ड इच्छा ही अगर बड़ी बात हो, तो फिर यह सारी बड़ी-बड़ी बोलियाँ, जिनके बल पर दल बनाये जाते हैं, शत्रु-मर्दन का अभिनय किया जाता है, देशोद्धार का नारा लगाया जाता है, साहित्य और कला की महिमा गाई जाती है, झूठ है । इसके द्वारा कोई न कोई अपना बड़ा स्वार्थ सिद्ध करता है । लेकिन अन्तरतर से कोई कह रहा है, ऐसा सोचना गलत ढंग से सोचना है । स्वार्थ से भी बड़ी कोई-न-कोई बात अवश्य है, जिजीविषा से भी प्रचण्ड कोई-न-कोई शक्ति अवश्य है । क्या है ?

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।
(ख) याज्ञवल्क्य ने अपनी पत्नी को क्या समझाने की कोशिश की ?
(ग) लेखक को किस बात पर हैरानी होती है ?
(घ) उपर्युक्त गद्यांश में किस तरह से जीने की बात कही गई है ?

(RBSE 2014)

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [8M]

जिन्दगी के असली मजे उनके लिए नहीं है, जो फुलों की छाँह के नीचे खेलते और सोते हैं, बल्कि फूलों की छाँह के नीचे अगर जीवन का कोई स्वाद छिपा है, तो वह भी उन्हीं के लिए है, जो दूर रेगिस्तान से आ रहे हैं, जिनका कण्ठ सूखा हुआ, ओंठ फटे हुए और सारा बदन पसीने से तर है । पानी में जो अमृत वाला तत्त्व है, उसे वह जानता है जो धूप में सूख चुका है, वह नहीं जो रेगिस्तान में कभी पड़ा ही नहीं है ।

सुख देने वाली चीजें पहले भी थीं और अब भी हैं, फर्क यह है कि जो सुखों का मूल्य पहले चुकाते हैं, और उनके मज़े बाद को लेते हैं, उन्हें स्वाद अधिक मिलता है । जिन्हें आराम आसानी से मिल जाता है, उनके लिए आराम ही मौत है ।

बड़ी चीजें बड़े संकटों में विकास पाती हैं । अकबर ने 13 साल की उम्र में अपने बाप के दुश्मन को परास्त कर दिया था, जिसका एक मात्र कारण यह था कि अकबर का जन्म रेगिस्तान में हुआ था और वह भी उस समय जब उसके बाप के पास एक कस्तूरी को छोड़कर और कोई दौलत नहीं थी ।

महाभारत में देश के अधिकांश वीर कौरवों के पक्ष में थे । मगर फिर भी जीत पाण्डवों की हुई, क्योंकि उन्होंने लाक्षागृह की मुसीबत झेली थी, क्योंकि उन्होंने वनवास की जोखिम को पार किया था ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए ।
(ख) जिन्दगी के असली मज़े किन लोगों के लिए हैं ?
(ग) 'जिन्हें आराम आसानी से मिल जाता है, उनके लिए आराम ही मौत है ।' इस पंक्ति का आशय लिखिए ।
(घ) "बड़ी चीजें बड़े संकटों में विकास पाती हैं ।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

(RBSE 2015)

4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-: [8M]

जीवन की सच्ची प्रगति स्वावलम्बन के द्वारा ही संभव है। यदि हमारे मन में अपना कार्य करने का उत्साह नहीं है, अपनेऊपर विश्वास नहीं है, आलस्य ने हमारी कार्य शक्ति को पंगु बना दिया है तो फिर कैसे हमारे जीवन के कार्य पूरे हो सकेंगे? ऐसी स्थिति में हम अपने आपको किसी भी कार्य को करने में असमर्थ पाएंगे। समाज, राष्ट्र और संसार के लिए तो हम कर ही क्या सकेंगे, स्वयं अपने लिए भी भार स्वरूप हो जाएंगे। यह बात विचारणीय है कि संसार में जो इतने महान कार्य हुए हैं, क्या उनके पीछे स्वावलम्बन की सुदृढ़ शक्ति नहीं थी? यदि परावलम्बी पुरुषों की भांति सभी हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते, अकर्मण्यता, आलस्य और दूसरों के सहारे जीने की भावना लिए रहते तो मानव समाज की इतनी प्रगति क्या संभव थी? इसीलिए तो संसार के सभी महापुरुष स्वावलंबन के पुजारी थे। अपने हाथों से ही उन्होंने अपने महान जीवन का द्वार खोला था। अब्राहम लिंकन, महात्मा गांधी, ईश्वर चन्द्र विद्या सागर आदि महापुरुषों से कौन अपरिचित है? उन्होंने स्वावलम्बन के अमृत को पीकर ही अमरता प्राप्त की थी। इसी कारण वे आज मर कर भी जीवित हैं।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।
(ख) व्यक्ति समाज के लिए भार कब बन जाता है?
(ग) समाज की प्रगति किन बातों पर निर्भर करती है?
(घ) महापुरुषों ने किस प्रकार अपने जीवन को सफल बनाया?

(RBSE 2016)

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [7M]

मनुष्य का हृदय बड़ा ममत्व प्रेमी है । कैसी ही उपयोगी और कितनी ही सुंदर वस्तु क्यों न हो, जब तक मनुष्य उसको पराई समझता है, तब तक उससे प्रेम नहीं करता किंतु भद्दी और बिलकुल काम में न आने वाली वस्तु को यदि मनुष्य अपनी समझता है, तो उससे प्रेम करता है । पराई वस्तु कितनी भी मूल्यवान क्यों न हो, कितनी ही उपयोगी क्यों न हो, कितनी ही सुंदर क्यों न हो,

(ख) कवि ने हिन्दी के बल पर अलख किस प्रकार जगाई है ? [2M]
(ग) हिन्दी को क्रान्ति की भाषा क्यों कहा गया है ? [2M]
(घ) कवि किस बचे हुए कार्य को करना चाहता है ? [2M]

(RBSE 2013)

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [7M]

यह सच है तो अब लौट चलो तुम घर को ।
चौंके सब सुनकर अटल कैकेयी-स्वर को ।
सब ने रानी की ओर अचानक देखा,
वैधव्य-तुषारावृता यथा विधु-लेखा
बैठी थी अचल तथापि असंख्य तरंगा,
वह सिंही अब थी हहा । गौमुखी गंगा -
हाँ जनकर भी मैंने न भरत को जाना,
सब सुन लें तुमने स्वयं अभी यह माना ।
यह सच है तो फिर लौट चलो घर भैया,
अपराधिन मैं हूँ तात, तुम्हारी मैया ।
दुर्बलता का ही चिह्न विशेष शपथ है,
पर अबला जन के लिए कौन-सा पथ है ?

(क) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । [2M]
(ख) सभा में सभी किसका स्वर सुनकर चौंक गए ? [1M]
(ग) सभा में रानी कैसी दिखाई दे रही थी ? [2M]
(घ) रानी ने राम से क्या कहा ? [2M]

अथवा

विषम श्रृंखलाएँ टूटी हैं
खुली समस्त दिशाएँ
आज प्रभंजन बनकर चलती
युग-बंदिनी हवाएँ
प्रश्न-चिह्न बन खड़ी हो गईं
यह सिमटी सीमाएँ
आज पुराने सिंहासन की
टूट रही प्रतिमाएँ
उठता है तूफान, इंदु तुम
दीप्तिमान रहना
पहरुए, सावधान रहना
ऊँची हुई मशाल हमारी

आगे कठिन डगर है
शत्रु हट गया, लेकिन उसकी
छायाओं का डर है
शोषण से मृत है समाज
कमजोर हमारा घर है
किन्तु आ रही नई जिन्दगी
यह विश्वास अमर है
जनगंगा में ज्वार
लहर तुम प्रवहमान रहना
पहरुए, सावधान रहना ।

(क) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । [2M]
(ख) कवि 'पहरुए' से क्या कह रहा है ? [1M]
(ग) कवि ने समाज को कैसा बताया है ? [2M]
(घ) कविता के अन्त में क्या विश्वास व्यक्त हुआ है ? [2M]

(RBSE 2014)

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : [7M]

पंचवटी की छाया में है, सुन्दर पर्ण-कुटीर बना ।
उसके सम्मुख स्वच्छ शिला पर, धीर, वीर, निर्भीक मना ॥
जाग रहा वह कौन धनुर्धर, जबकि भुवन भर सोता है ?
भोगी कुसुमायुध योगी-सा बना दृष्टिगत होता है ॥
किस व्रत में है व्रती वीर यह, निद्रा का यों त्याग किए ।
राजभोग के योग्य विपिन में, बैठा आज विराग लिए ॥
बना हुआ है प्रहरी जिसका, उस कुटीर में क्या धन है ।
जिसकी रक्षा में रत इसका तन है, मन है, जीवन है ॥
मर्त्यलोक मालिन्य मेटने, स्वामि संग जो आई है ।
तीन लोक की लक्ष्मी ने यह, कुटी आज अपनाई है ॥
वीर वंश की लाज यही है, फिर क्यों वीर न हो प्रहरी ।
विजन देश है निशा शेष है, निशाचरी माया ठहरी ॥

(क) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । [1M]
(ख) लक्ष्मण को किसकी उपमा दी गई है ? वह प्रहरी बन कर किस प्रकार रक्षा कर रहा है ? [2M]
(ग) 'तीन लोक की लक्ष्मी' किसे कहा है ? वह वन में क्यों आई है ? [2M]
(घ) वनवास में क्या-क्या संकट हो सकते हैं ? [2M]

अथवा

व्यावहारिक-व्याकरण:

पद भेद – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय

1. 'विष्णुकान्ता भजन सुना रही है ।' - वाक्य में कौन-सी क्रिया है ? उसकी परिभाषा लिखिए [2M](2013)
2. "राजेश पुस्तक पढ़ रहा है ।" वाक्य में कौन-सी क्रिया है ? उसकी परिभाषा लिखिए । [2M](2014)
3. काल के अनुसार क्रिया कितने प्रकार की होती है ? सोदाहरण समझाइए । [2M](2015)
4. अमित ने अजय को अपना खिलौना दे दिया। वाक्य में कौन सी किया है? उसकी परिभाषा लिखिए। [2M](2016)
5. "मोर उड़ गया ।" वाक्य में कौन-सी क्रिया है ? लिखिए । [2M](2017)
6. कर्म के आधार पर क्रिया के भेद बताते हुए उनकी परिभाषा लिखिए। [2M](2018)
7. क्रिया किसे कहते हैं? कर्म के आधार पर क्रिया के भेद लिखिए। [2M](2019)
8. विशेषण की परिभाषा देते हुए विशेषण के कोई दो भेद लिखिए। [2M](2020)
9. जिस संज्ञा शब्द से _______के नाम का बोध होता हो उसे 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं। [1M](2022)
10. जो सर्वनाम निकटस्थ अथवा दूरस्थ व्यक्ति या पदार्थ की ओर ______संकेत करते हैं, उन्हें निश्चय वाचक सर्वनाम कहते हैं । [1M](2021)
11. ऐसे शब्द जिनके स्वरूप में लिंग, वचन, काल आदि के प्रभाव से कोई ________नहीं होता अविकारी शब्द या अव्यय कहलाते हैं । [1M](2022)
12. विशेषण ________प्रकार के होते हैं । [1M](2022)
13. प्रायः गुण-दोष, अवस्था, व्यापार अमूर्तभाव तथा क्रिया _______संज्ञा के अन्तर्गत आते हैं। [1M](2023)
14. ऐसे सर्वनाम जिसका प्रयोग वक्ता या लेखक (स्वयं) अपने लिए करते हैं वे ________कहलाते हैं। [1M](2023)
15. जिस वाक्य में क्रिया का प्रभाव या फल केवल कर्ता पर ही पड़ता है, उसे _______ क्रिया कहते हैं। [1M](2023)
16. परिमाण वाचक विशेषण के ________उपभेद हैं। [1M](2023)
17. किसी भाव, अवस्था, गुण अथवा दशा के नाम को _______ संज्ञा कहते हैं। [1M](2024)
18. वे शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें _________ कहते हैं। [1M](2024)
19. वे क्रियाएँ जिनके साथ कर्म प्रयुक्त नहीं होता, उसे _______ क्रिया कहते हैं। [1M](2024)
20. वे _______ शब्द, जो दो शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ते हैं, उन्हें समुच्चयबोधक अव्यय कहते हैं। [1M](2024)
21. वे विशेषण, जो किसी पदार्थ की निश्चित या अनिश्चित मात्रा, परिमाण, नाप या तौल आदि को बोध कराते हैं, उन्हें______________ विशेषण कहते हैं । [1M](2025)
22. किसी भाव, अवस्था, गुण अथवा दशा के नाम को __________ संज्ञा कहते हैं । [1M](2023)
23. कर्म के आधार पर क्रिया के कितने भेद हैं ? [1M](2025)

    अ) दो

    ब) तीन

    स) चार

द) एक

24. निम्नांकित में से सर्वनाम है – [1M](2025)

अ) वह

ब) क्रिया

स) ताल

द) गति

25. ऐसे शब्द जिनके स्वरूप में लिंग, वचन, काल आदि के प्रभाव से कोई विकार नहीं होता – क्या कहलाते है ?

अ) संज्ञा

ब) अव्यय

स) विशेषण

द) क्रिया

[1M](2026)

26. ऐसे शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलाते हैं, उन्हें _________ कहते हैं । [1M] (2026)

27. जो शब्दांश किसी शब्द के बाद में लगकर नए अर्थ का बोध कराते हैं, उन्हें _________ कहते हैं । [1M] (2026)

28. पुरुषवाचक सर्वनाम _________ प्रकार के होते हैं । [1M] (2026)

29. जिस शब्द से किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है, उसे _________ कहते हैं । [1M] (2026)

उपसर्ग एवं प्रत्यय

1. संस्कृत में कुल __________उपसर्ग होते हैं । ये सभी उपसर्ग तत्सम शब्दों के साथ हिन्दी में प्रयुक्त होते हैं। [1M](2022)

2. वे प्रत्यय जो धातु अथवा क्रिया के अन्त में लगकर नए शब्दों की रचना करते हैं उन्हें _________प्रत्यय कहते हैं। [1M](2025)

3. हिन्दी भाषा में मुख्यतः ________प्रकार के उपसर्ग प्रचलित हैं। [1M](2023)

4. वे प्रत्यय जो धातु अथवा क्रिया के अन्त में लगकर नए शब्दों की रचना करते हैं उन्हें _______प्रत्यय कहते हैं। [1M](2023/2024)

5. 'रसिया' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है [1M](2024)

(अ) एरा

(ब) इया

(स) आर

(द) ई

6. हिन्दी में उपसर्ग ________ प्रकार के होते हैं। [1M](2024)

7. 'विदेश' शब्द में ________उपसर्ग है। [1M](2025)

8. 'पालनहार' शब्द में ___________प्रत्यय है । [1M](2025)

9. निम्नलिखित में से 'समाचार' शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है ?

क्षितिज : पाठ्य पुस्तक प्रश्न (गद्य खंड)

7. स्वयं प्रकाश (नेताजी का चश्मा)

1. मूर्ति बनाने का काम मिलने पर कलाकार के क्या भाव रहे होंगे ? (उत्तर सीमा 40 शब्द) [2M] (RBSE 2013)
2. 'नेताजी का चश्मा' कहानी के अनुसार देश के निर्माण में बड़े ही नहीं बच्चे भी शामिल हैं । आप देश के नव निर्माण में किस प्रकार योगदान देंगे ? [2M] (RBSE 2015)
3. 'नेता जी का चश्मा' पाठ में निहित देशभक्ति के संदेश को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए। [2M] (RBSE 2016)
4. 'नेताजी का चश्मा' पाठ किसके योगदान को दर्शाता है? [1M] (RBSE 2016, 2022)
5. हालदार साहब ने पान वाले से क्या पूछा और पान वाले ने क्या उत्तर दिया? [2M] (RBSE 2022)
6. कैप्टन ने नेताजी की मूर्ति पर चश्मा क्यों लगाया? [2M] (RBSE 2023)
7. मूर्तिकार ने अन्त में जार्ज पंचम की नाक का क्या हल निकाला ? [2M] (RBSE 2023)
8. हालदार साहब की आँखें क्यों भर आईं ? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए । (उत्तर सीमा लगभग 50-60 शब्द) [2M] (RBSE 2024)
9. हालदार साहब ने जब नेताजी की मूर्ति को पहली बार देखा तो उनकी दृष्टि में क्या बात खटकती थी [2M] (RBSE 2024)
10. 'कैप्टन' किसका नाम था ?
    (अ) चायवाले (ब) पान वाला
    (स) हालदार साहब (द) नेताजी
    [1M] (RBSE 2024)
11. 'नेताजी का चश्मा' पाठ की विधा है -
    (अ) कहानी (ब) कविता
    (स) नाटक (द) उपन्यास
    [1M] (RBSE 2025)
12. "हालदार साहब भावुक हैं । इतनी-सी बात पर उनकी आँखें भर आईं ।"
    हालदार साहब की आँखें क्यों भर आईं ? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए । (उत्तर सीमा 60-80 शब्द)
    [3M] (RBSE 2026)
13. नेताजी की मूर्ति किस की बनी थी ?
    (अ) लोहे की (ब) पीतल की
    (स) संगमरमर की (द) मिट्टी की
    [1M] (RBSE 2026)

8. रामवृक्ष बेनीपुरी (बालगोबिन भगत)

1. कबीर पंथ मानव को किस प्रकार जीने की प्रेरणा देता है ? 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 60 शब्द) [3M] (RBSE 2013)

कृतिका : पाठ्य पुस्तक प्रश्न

1.माता का आँचल

1. 'माता का अँचल' पाठ से बाल स्वभाव की किस विशेषता का पता चलता है ? [2M] (RBSE 2013)
2. “बच्चे बचपन में निर्दोष, निर्भय और मस्त होते हैं, उन्हें परिणाम की चिंता नहीं होती है।” ‘माता का अँचल’ पाठ के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा 80 शब्द) [4M] (RBSE 2013)
3. भोलानाथ और उसके साथियों के खेल व खेल सामग्री किस प्रकार भिन्न थे ? समझाइये । [2M] (RBSE 2014)
4. 'बच्चे बचपन में निर्दोष, निर्भय और मस्त होते हैं, उन्हें परिणाम की चिंता नहीं होती। उद्धाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। [4M] (RBSE 2016)
5. 'माता का आँचल’ पाठ में बालक भोलानाथ व बाबूजी के मित्रवत प्रेम के साथ वात्सल्य भी उभरता है ।" सोदाहरण समझाइए । [2M] (RBSE 2017)
6. "‘माता का आँचल’ पाठ देहाती दुनिया का मनोरम दृश्य है ।" स्पष्ट कीजिए।(उत्तर सीमा –**80** शब्द) [4M] (RBSE 2017)
7. 'देहाती दुनिया' उपन्यास से लिया गया पाठ है -

   (अ) जॉर्ज पंचम की नाक से (ब) माता का आँचल से

   (स) साना-साना हाथ जोड़िए से (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

   [1M] (RBSE 2022)
8. ग्रामीण अंचल में बच्चों के खेल कैसे होते थे? माता का आँचल पाठ के आधार पर लिखिए। [2M] (RBSE 2022)
9. 'माता का अँचल' पाठ में किसका चित्रण किया गया है? [1M] (RBSE 2022)
10. 'माता का अँचल' पाठ के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। [2M] (RBSE 2023)
11. "जब बाबू जी रामायण का पाठ करते तब हम उनकी बगल में बैठे-बैठे आइने में अपना मुँह निहारा करते थे।" उपर्युक्त पंक्ति किस पाठ से उद्दत है -

   (अ) जार्ज पंचम की नाक (ब) माता का अँचल

   (स) साना-साना हाथ जोड़ि (द) एही ठैयां झुलनी हे रानी हो रामा

   [1M] (RBSE 2023)
12. साँप निकलने पर पानी फेंकते बच्चों की क्या प्रतिक्रिया हुई ? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर समझाइए । [2M] (RBSE 2024)
13. हिन्दी का पहला आंचलिक उपन्यास माना जाता है

   (अ) जार्ज पंचम की नाक (ब) देहाती दुनिया

   (स) आपकी बंटी (द) रामरत्नातमस

   [1M] (RBSE 2024)
14. भोलानाथ को खाना खिलाने के लिए मइयाँ क्या-क्या उपक्रम करती थी ? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर बताइए। [2M] (RBSE 2025)
15. 'भोलानाथ' का असली नाम क्या था ?

   (अ) कन्हैया (ब) तारकेश्वरनाथ

   (स) बम-भोला (द) राम

   [1M] (RBSE 2025)
16. बाबूजी आटे की गोलियाँ बनाकर कहाँ ले जाते थे ? [1]

BOARD ZONE
RBSE 2026
TOPPERS
30+ STUDENTS
SCORED
90%
& ABOVE
EXCELLENCE. DEDICATION. SUCCESS.
99%
TANISHA JAIN
99%
ADITYA RAJ CHOHAN
98%
SIMMI CHOUDHARY
Proudly Dedicated by Students!
30+ STUDENTS SCORED MORE THAN 90%
96% MUSTAFA BHAILA
96% GAURANSH
94% MITHLESH KR. JHA
93% RAKSHITA
93% VINITA RATHORE
93% KHUSHBU BISHNOI
93% PRAHLAD YADAV
93% BHAVY DAMOR
92% ANUJ SAINI
92% VISHAL SAIN
92% GOURAV NAWANI
92% KHUSHAL LABANA
91% VARUN LOHAR
91% ASHISH
91% ANKIT SHARMA
91% KOUSHIK UPADHYAY
91% TAVISH MOHAMMAD
90% PARTH CHITTORA
90% SANJOG JAIN
90% ARMAN ALI
90% RIDDISH SHARMA
90% MONIL PRAJAPAT
90% KESHAV GURJAR
ENDLESS RESULTS MORE...
~ Results Claimed by Students ~
BOARD ZONE · WHERE LEGACY MEETS LEARNING